DAILY CURRENT AFFAIRS

By

Mentorship India

SOURCES

THE HINDU | PIB | THE FINANCIAL EXPRESS | ET Economic Times.com | live mint | AIR | The Indian EXPRESS Journalism of Courage

Date: 8 Nov. 2023

महत्वपूर्ण समाचार लेख

1. इज़राइल-हमास युद्ध का एक महीना- इंडियन एक्सप्रेस
2. रूस के हटने के बाद नाटो ने औपचारिक रूप से शीत युद्ध-युग की सुरक्षा संधि को निलंबित कर दिया - इंडियन एक्सप्रेस
3. वर्ष 2022 में टीबी के 75 लाख नए मामले: WHO- द हिंदू/ वर्ष 2022 में वैश्विक स्तर पर भारत में टीबी के सबसे ज्यादा मामले: WHO- इंडियन एक्सप्रेस
4. वायरल डीपफ़ेक वीडियो के बाद, आईटी मंत्रालय ने सोशल मीडिया साइटों को चेतावनी जारी की - द हिंदू
5. ब्राज़ील में सोया उत्पादन में वृद्धि बच्चों में कैंसर से होने वाली अधिक मौतों से सम्बन्धित - डाउन टू अर्थ
6. रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया से संबन्धित मामला - इंडियन एक्सप्रेस
7. आदित्य-L1 ने सौर ज्वाला की तस्वीरे खींची - द हिंदू/इसरो के आदित्य-L1 ने सौर ज्वालाओं का पहला उच्च-ऊर्जा एक्स-रे दृश्य कैप्चर किया - इंडियन एक्सप्रेस

एडिटोरियल, जिस्ट, एक्सप्लेनेर

1. अंतरराष्ट्रीय कानून दायित्वों को बाधित करने वाला निर्णय - द हिंदू
2. भारत में उच्च रक्तचाप की व्यापकता - इंडियन एक्सप्रेस
3. 'सप्ताह में 70 घंटे' की कार्य अवधि से सम्बंधित समस्या - द हिंदू

फैक्ट फटाफट

1. ग्रीन क्रैकर (ग्रीन पटाखे)
2. जीका वायरस
3. मिग-21 विमान
4. चेतक

महत्वपूर्ण समाचार लेख

सामान्य अध्ययन II

1. इज़राइल-हमास युद्ध का एक महीना- इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता : भारत के हितों, भारतीय प्रवासियों पर विकसित और विकासशील देशों की नीतियों और राजनीति का प्रभाव।
समाचार :

- इज़राइल-हमास युद्ध शुरू हुए **एक महीना** बीत चुका है ।
- विभिन्न **हितधारकों** ने अपनी-अपनी रुचि के अनुसार प्रयास किये।

प्रीलिम्स टेकअवे
- मघाजी शरणार्थी शिविर
- मध्य पूर्व में शांति के लिए रूपरेखा

इज़राइल-हमास संघर्ष का सारांश

युद्ध की शुरुआत

- गाजा पट्टी में **फ़िलिस्तीनी लड़ाके** 7 अक्टूबर, 2023 को सीमा पार करके **दक्षिणी इज़राइल** में घुसपैठ कर गए थे
- उन्होंने देश में हजारों रॉकेट दागे, क्योंकि सत्तारूढ़ हमास ने एक नए ऑपरेशन की शुरुआत की घोषणा की।
- इज़राइल ने गाजा में लक्ष्यों पर अपने रॉकेट दागे और **"युद्ध की स्थिति की चेतावनी"** घोषित की।

युद्ध में मानव क्षति

- फ़िलिस्तीन में मरने वालों की **संख्या 10,000** से अधिक हो गई है , **जिसमें 4,100 से अधिक बच्चे** भी शामिल हैं।
- इज़राइल में 7 अक्टूबर के हमले में **1,400 से अधिक** लोग **मारे गए** हैं और **242 लोगों** को **आतंकवादी समूह ने बंधक बना लिया** है।
- इज़राइल ने गाजा पट्टी के उत्तरी आधे हिस्से में सभी नागरिकों से, जिनकी आबादी 1 मिलियन से अधिक है, संभावित जमीनी हमले से पहले 24 घंटे के भीतर दक्षिण में स्थानांतरित होने का आह्वान किया।
- **दक्षिणी लेबनान** में सीमा पर संघर्ष को कवर कर रहे **अंतरराष्ट्रीय पत्रकारों** की एक सभा पर एक इजरायली गोला गिरा, जिसमें रॉयटर्स के **वीडियोग्राफर इस्साम अब्दुल्ला** की **मौत हो गई** और **छह अन्य पत्रकार घायल हो** गए।

इज़राइल-हमास युद्ध पर भारत का रुख

- भारत ने माना कि "**अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून** का पालन करना एक **सार्वभौमिक दायित्व** है"।
- भारत ने **इज़राइल-फिलिस्तीन संघर्ष** पर अपनी पारंपरिक स्थिति दोहराई है।
- भारत ने **"संप्रभु, स्वतंत्र** और व्यवहार्य **फ़िलिस्तीन राज्य** की स्थापना के लिए "सीधी बातचीत" फिर से शुरू करने का आह्वान किया।
- **27 अक्टूबर,2023** को भारत ने **संयुक्त राष्ट्र महासभा** में एक **प्रस्ताव पर मतदान** में भाग नहीं लिया, जिसमें **इज़राइल-हमास** संघर्ष में तत्काल मानवीय संघर्ष विराम का आह्वान किया गया था।
- **भारत** के **प्रधानमंत्री** ने **06 नवंबर, 2023** को **इज़राइल-हमास संघर्ष** से **उत्पन्न पश्चिम एशिया** की **स्थिति** पर **ईरानी राष्ट्रपति** से बात की ।
  - दोनों नेताओं ने तनाव कम करने, **मानवीय सहायता** जारी रखने और **शांति की शीघ्र** बहाली की आवश्यकता पर जोर दिया।

संयुक्त राष्ट्र का रुख

- 16 अक्टूबर, 2023 को संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंटोनियो गुटेरेस
  - हमास से सभी बंधकों को बिना किसी शर्त के तुरंत रिहा करने का आह्वान किया
  - इजराइल से गाजा पट्टी में नागरिकों के लिए मानवीय सहायता तक त्वरित और अबाधित पहुंच की अनुमति देने का आग्रह किया है।
- संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने **इजराइल** और **हमास** के बीच संघर्ष में **मानवीय युद्धविराम** का **आह्वान** करने वाले एक **रूसी प्रस्ताव** को खारिज कर दिया क्योंकि मसौदे को पारित होने के लिए **न्यूनतम संख्या** में वोट नहीं मिले।

अस्पताल और शरणार्थी शिविर पर हमला

- गाजा के अल-अहली अस्पताल में हुए भीषण विस्फोट में सैकड़ों महिलाएं, बच्चे और नागरिक मारे गए।

- हमास ने इस विस्फोट के लिए **इजरायली हवाई हमले** को जिम्मेदार ठहराया है ।
- **5 नवंबर, 2023** को **इजरायली हवाई हमलों** ने **मध्य गाजा पट्टी** में **मघाज़ी शरणार्थी शिविर** पर हमला किया, जिसमें कम से कम 40 लोग मारे गए ।

युद्ध में अमेरिकी हस्तक्षेप

- **इज़राइल** ने **दक्षिण गाजा पट्टी** में नागरिक आबादी के लिए **मिस्र से सीमित सहायता** की अनुमति दी।
- **20 अक्टूबर,2023** को **हमास ने** गाजा में बंधक बनाई गई एक **अमेरिकी महिला** और **उसकी किशोर बेटी** को रिहा कर दिया।
- यह **7 अक्टूबर,2023** को **उग्रवादी समूह** द्वारा **इज़राइल** से अपहरण किए गए लगभग 200 व्यक्तियों की रिहाई का पहला उदाहरण है।
- मिस्र और गाजा के बीच राफा सीमा को **21 अक्टूबर, 2023** को फिर से खोल दिया गया ताकि **इजरायल द्वारा** क्षेत्र को सील करने के बाद पहली बार **फिलिस्तीनियों** तक बहुत जरूरी सहायता पहुंचाई जा सके।
- **फ्रांसीसी राष्ट्रपति, अमेरिकी राष्ट्रपति** की यात्रा के बाद **"समर्थन और एकजुटता"** व्यक्त करने के लिए **तेल अवीव** पहुंचे

युद्ध में इजराइल का दूसरा मोर्चा

- इंटरनेट और मोबाइल सेवा बंद कर दी गई है.
- इज़रायली युद्धक विमानों ने हमास की सुरंगों और भूमिगत बंकरों पर बमबारी की।
- 28 अक्टूबर को ग्राउंड फोर्स को उत्तरी गाजा पट्टी पर भेजा गया था।
- इजराइल ने जमीन, हवा और समुद्र से हमले तेज कर दिए .

हिजबुल्लाह का आगमन

- **लेबनान** के **हिजबुल्लाह** ने **4 नवंबर 2023** को **लेबनानी सीमा** पर **इजरायली ठिकानों** पर एक साथ हमले किए।
- लेबनान में भी इज़रायल हमलों की सूचना मिली है ।

युद्ध पर फ़िलिस्तीन और इज़राइल के समकालीन रुख

- **फ़िलिस्तीनी राष्ट्रपति** ने **अमेरिकी विदेश मंत्री** के साथ बैठक में तत्काल **इज़रायली युद्धविराम** की मांग की।
- इज़रायली प्रधान मंत्री ने **7 नवंबर, 2023** को कहा कि हमास के खिलाफ युद्ध समाप्त होने के बाद **"अनिश्चित काल के लिए"** गाजा पट्टी पर उनके देश की **"समग्र सुरक्षा जिम्मेदारी"** होगी।
- उम्मीद की जाती है कि **इज़राइल गाजा** में सहायता के प्रवेश या बंधकों को बाहर निकालने की सुविधा के लिए लड़ाई में **"सामरिक छोटे विराम"** पर विचार करेगा, लेकिन फिर से सामान्य युद्धविराम के आह्वान को खारिज कर दिया।

2. रूस के हटने के बाद नाटो ने औपचारिक रूप से शीत युद्ध-युग की सुरक्षा संधि को निलंबित कर दिया - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: भारत के हितों, भारतीय प्रवासियों पर विकसित और विकासशील देशों की नीतियों और राजनीति का प्रभाव।

समाचार:

- हाल ही में, **नाटो** ने **रूस के सौदे से बाहर निकलने** के जवाब में **शीत युद्ध-युग** की एक **प्रमुख सुरक्षा संधि** को औपचारिक रूप से निलंबित करने की घोषणा की।

प्रीलिम्स टेकअवे

- नाटो

शीत युद्ध-युग की सुरक्षा संधि

- नाटो के **31 सहयोगियों** में से अधिकांश ने **यूरोप में पारंपरिक सशस्त्र बलों** की संधि पर हस्ताक्षर किए हैं
- **उद्देश्य** : इसका उद्देश्य शीत युद्ध के प्रतिद्वंद्वियों को आपसी सीमाओं पर या उसके निकट सेना एकत्र करने से रोकना था।
- इस पर **नवंबर 1990 में हस्ताक्षर** किए गए थे, लेकिन **दो साल बाद** तक इसे पूरी तरह से अनुमोदित नहीं किया गया था।

शीत युद्ध

- यह **संयुक्त राज्य अमेरिका** और **सोवियत संघ** और **उनके संबंधित सहयोगियों, पश्चिमी ब्लॉक और पूर्वी ब्लॉक** के बीच **भूराजनीतिक तनाव** का दौर था।
- **दोनों महाशक्तियों** के बीच सीधे तौर पर **कोई बड़े पैमाने पर लड़ाई नहीं** हुई , लेकिन उनमें से प्रत्येक ने **प्रमुख क्षेत्रीय संघर्षों में विरोधी पक्षों का समर्थन किया** , जिन्हें **छद्म युद्ध** के रूप में जाना जाता है।
- यह संघर्ष **द्वितीय विश्व युद्ध** के सहयोगियों के रूप में उनकी भूमिकाओं के बाद, इन **दो महाशक्तियों** द्वारा **वैश्विक प्रभाव** के लिए वैचारिक और **भू-राजनीतिक संघर्ष** पर आधारित था।
- शीत युद्ध **द्वितीय विश्व युद्ध की** समाप्ति के तुरंत बाद शुरू हुआ, जो **सीनों-सोवियत विभाजन** के साथ धीरे-धीरे ख़त्म होने लगा और **वर्ष 1991** में **सोवियत संघ** के पतन के साथ समाप्त हुआ।

3. वर्ष 2022 में टीबी के 75 लाख नए मामले: WHO- द हिंदू/ वर्ष 2022 में वैश्विक स्तर पर भारत में टीबी के सबसे ज्यादा मामले: WHO- इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: स्वास्थ्य, शिक्षा, मानव संसाधन से संबंधित सामाजिक क्षेत्र/सेवाओं के विकास और प्रबंधन से संबंधित मुद्दे।

समाचार:

- WHO कि ग्लोबल टीबी रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2022 में टीबी से पीड़ित और इलाज किए गए लोगों की संख्या में बड़ी वैश्विक रिकवरी हुई।
- 2 साल के COVID- संबंधी व्यवधानों के बाद**, टीबी रिवर्स या मध्यम** होना शुरू हो गया है।

प्रीलिम्स टेकअवे

- WHO वैश्विक टीबी रिपोर्ट
- प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान

टीबी पर इतना ध्यान क्यों?

- **टीबी दुनिया** में किसी एक **संक्रामक एजेंट** से होने वाली मौत का **दूसरा प्रमुख कारण** बनी हुई है।
- **वैश्विक टीबी लक्ष्य** या तो **चूक गए हैं** या राह से उतर गए हैं।
- वर्ष 2015 से वर्ष 2022 तक शुद्ध कमी 8.7% थी ,
- यह **वर्ष 2025** तक **50%** की कमी के **WHO समाप्ति टीबी** रणनीति मील के पत्थर से नीचे है।

वर्ष 2022 में टीबी के मामलों में वृद्धि

- **वर्ष 2022 में टीबी** से पीड़ित नए निदान वाले लोगों की **वैश्विक संख्या 7.5 मिलियन** थी।
- **वर्ष 1995** में WHO द्वारा **वैश्विक टीबी निगरानी** शुरू करने के बाद से यह सबसे अधिक संख्या है
- यह **वर्ष 2019** में **7.1 मिलियन** के **प्री-कोविड बेसलाइन** (और पिछले ऐतिहासिक शिखर) से भी ऊपर है।
- यह **वर्ष 2020** में **5.8 मिलियन** और **वर्ष 2021** में **6.4 मिलियन** से अधिक है।
- **वर्ष 2022** की संख्या में संभवतः उन लोगों का एक बड़ा **बैकलॉग** शामिल है जिन्हें पिछले वर्षों में **टीबी** हुआ था,
  - रिपोर्ट के अनुसार, जिनके **निदान** और **उपचार** में **कोविड** से संबंधित व्यवधानों के कारण देरी हुई, जिससे **स्वास्थ्य सेवाओं** तक **पहुंच** और **प्रावधान** प्रभावित हुए।

टीबी का वर्त्तमान मृत्यु रिकॉर्ड

- **वर्ष 2022** में अनुमानित 1.30 मिलियन मौतें हुईं
- यह स्तर लगभग **वर्ष 2019** के स्तर पर वापस आ गया है।
- अनुमान है कि **कोविड** से संबंधित व्यवधानों के परिणामस्वरूप **वर्ष 2020-2022** तीन वर्षों में **टीबी** से लगभग **पांच लाख अ**तिरिक्त मौतें हुईं।
- **भारत** , **इंडोनेशिया** और **फिलीपींस** वर्ष 2022 में वर्ष 2019 के स्तर से ऊपर पहुंच गए।
- **वर्ष 2020 और वर्ष 2021** में टीबी से पीड़ित नए लोगों की संख्या में सामूहिक रूप से **लगभग 60% की कमी** इन देशों के के कारण हुई।

टीबी के उपचार की सफलता दर

- रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि उपचार की सफलता दर में सुधार हुआ है
  - दवा-संवेदनशील टीबी के लिए इलाज कराने वाले लोगों में से 88%
  - MDR/RR-टीबी वाले लोगों के लिए 63%

सामान्य अध्ययन III

4. वायरल डीपफ़ेक वीडियो के बाद, आईटी मंत्रालय ने सोशल मीडिया साइटों को चेतावनी जारी की - द हिंदू

प्रासंगिकता: आईटी, अंतरिक्ष, कंप्यूटर, रोबोटिक्स, नैनो-प्रौद्योगिकी, जैव-प्रौद्योगिकी और बौद्धिक संपदा अधिकारों से संबंधित मुद्दों के क्षेत्र में जागरूकता।

प्रीलिम्स टेकअवे
- डीपफेक

समाचार:

- **इलेक्ट्रॉनिक्स** और **सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय** ने अब **"सभी सोशल मीडिया मध्यस्थों"** को नोटिस भेजा है, उन्हें याद दिलाया है कि **ऑनलाइन प्रतिरूपण** अवैध है

मुख्य बिंदु

- मंत्रालय ने **प्लेटफार्मों** को ऐसी सामग्री को **36 घंटे** के भीतर हटाने की चेतावनी दी, जो **आईटी नियम, 2021** में उल्लिखित आवश्यकता है।
- इसने यह भी आग्रह किया कि **"उचित परिश्रम** किया जाए और **गलत सूचना** और **डीपफेक की पहचान** करने के लिए उचित प्रयास किए जाएं"।
- सोशल मीडिया फर्मों को नोटिस में, आईटी मंत्रालय ने कहा कि **सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 66-D** के तहत ऑनलाइन प्रतिरूपण अवैध था।
- **आईटी नियम, 2021,** "किसी अन्य व्यक्ति का प्रतिरूपण करने वाली किसी भी सामग्री को होस्ट करने" पर भी रोक लगाता है
- इसके लिए **सोशल मीडिया** फर्मों को किसी व्यक्ति के सतर्क होने पर उसकी **कृत्रिम रूप** से रूपांतरित की गई **छवियों को तुरंत हटाने** की भी आवश्यकता होती है।
- मेटा ने घटना पर टिप्पणी मांगने वाले प्रश्नों का उत्तर नहीं दिया।

डीपफेक

- इसका उपयोग राजनीतिक हस्तियों के **नकली वीडियो और झूठी आपदा छवियों** जैसी हेरफेर की गई सामग्री बनाने के लिए किया गया है।
- ये आम तौर पर **वास्तविक वीडियो** पर आधारित होते हैं, और लोगों की उपस्थिति, उनकी ध्वनि आदि को बदलने के लिए संपादित किए जाते हैं।
- **मशीन लर्निंग एल्गोरिदम** का लाभ उठाकर **डीपफेक** पारंपरिक **फोटो एडिटिंग तकनीकों** से आगे निकल जाते हैं
- प्रौद्योगिकी में सुधार और इन्हें बनाने के लिए अक्सर उपयोग की जाने वाली **आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रणालियों** की गिरती लागत के कारण वीडियो **डीपफेक सुगमता** और **गुणवत्ता** में तेजी से बढ़ रहे हैं।

5. ब्राज़ील में सोया उत्पादन में वृद्धि बच्चों में कैंसर से होने वाली अधिक मौतों से सम्बन्धित - डाउन टू अर्थ

प्रासंगिकता: देश के विभिन्न हिस्सों में प्रमुख फसल-फसल पैटर्न, - विभिन्न प्रकार की सिंचाई और सिंचाई प्रणाली, कृषि उपज का भंडारण, परिवहन और विपणन और मुद्दे और संबंधित बाधाएं; किसानों की सहायता मेंई-प्रौद्योगिकी।

समाचार:

प्रीलिम्स टेकअवे
• कृषि रसायन

- एक नया अध्ययन ब्राजील के **अमेज़ॅन और सेराडो बायोम** में **सोया उत्पादन में वृद्धि** और **बाल चिकित्सा कैंसर** से होने वाली **बढ़ती मौतों के बीच संबंध** का पता लगाता है।
- **व्यापक कीटनाशकों** के उपयोग के साथ-साथ सोया **उत्पादन में वृद्धि ने चिंताएँ बढ़ा** दी हैं।

मुख्य निष्कर्ष:

बाल कैंसर से सहसंबंध:

- वर्ष 2008 और वर्ष 2019 के बीच तीव्र **लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया (ALL)** के कारण बढ़े हुए **सोया उत्पादन** और बाल मृत्यु के बीच **सांख्यिकीय रूप** से महत्वपूर्ण सहसंबंध पाया गया ।
- **पानी की आपूर्ति** के प्रवेश के माध्यम से **कीटनाशकों** का **जोखिम** होने की संभावना है ।

सोया वृक्षारोपण वृद्धि का प्रभाव:

- अध्ययन अवधि के दौरान , **226 रिपोर्ट किए गए मामलों** में से **कीटनाशकों के संपर्क** से जुड़े सभी मामलों में **10 वर्ष से कम उम्र** के **123 बच्चों की मृत्यु** हो गई ।

भ्रूण विकास से परे:

- अध्ययन ने **भ्रूण के विकास** से लेकर **शैशवावस्था** और **बचपन** तक **प्रसव पूर्व कीटनाशकों** के संपर्क के प्रभावों पर पिछले निष्कर्षों को बढ़ाया।
- **गहन कृषि** और **प्रतिकूल स्वास्थ्य परिणामों** के बीच एक **मजबूत** और **निरंतर संबंध** का प्रदर्शन किया ।

उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य देखभाल की भूमिका:

- उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य देखभाल और दैनिक ड्राइव (100 किलोमीटर) के भीतर बाल चिकित्सा ऑन्कोलॉजी केंद्रों तक पहुंच ने बाल चिकित्सा सभी के लिए घातक परिणामों को कम करने में मदद की।

व्यापक प्रभाव:

- अध्ययन **गैर-घातक स्वास्थ्य प्रभावों** पर विचार करने की आवश्यकता पर जोर देता है, जिसमें सफलतापूर्वक **इलाज किए गए कैंसर** के मामले भी शामिल हैं

ब्राज़ील में कीटनाशकों की खपत:

- **ब्राज़ील कृषि रसायनों** का एक प्रमुख **उपभोक्ता** और **कृषि वस्तुओं** का **निर्यातक** है, जो **कीटनाशकों** की **खपत के रिकॉर्ड स्थापित** कर रहा है।
- उपयोग किए जाने वाले कई **कीटनाशक यूरोपीय संघ** में उत्पादित होते हैं और अत्यधिक खतरनाक माने जाते हैं।

नीति सिफारिशें:

- अध्ययन **सख्त कीटनाशक नियमों** का समर्थन करता है, खासकर **खाद्य उत्पादन** के विस्तार वाले क्षेत्रों में।
- सामान्य समुदाय में **कीटनाशकों** के जोखिम पर **सार्वजनिक स्वास्थ्य** का ध्यान बढ़ाने का आह्वान ।

संतुलित कृषि गहनता:

- **उत्पादक लाभों** और **कृषि में तेजी** से बदलाव से जुड़े संभावित जोखिमों को कम करने के बीच **संतुलन खोजने के महत्व** पर जोर दिया गया है ।

प्रकाशन:

- यह अध्ययन **30 अक्टूबर, 2023** को **जर्नल प्रोसीडिंग्स ऑफ द नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज** (PNAS) में प्रकाशित हुआ था।

6. रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया से संबन्धित मामला - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: अर्थव्यवस्था

समाचार:

- RBI द्वारा स्थापित **उन्नत वित्तीय अनुसंधान और शिक्षण केंद्र (CAFRAL)** ने **NBFC** के लिए बढ़ते **बैंक वित्तपोषण** पर चिंता व्यक्त की है।
- इसमें **प्रणालीगत संक्रमण** को जन्म देने की क्षमता है और संभावित **प्रणालीगत जोखिमों** को कम करने के लिए कड़े निवारक उपायों की आवश्यकता पर जोर दिया गया है।

प्रीलिम्स टेकअवे

- उन्नत वित्तीय अनुसंधान और शिक्षण केंद्र (CAFRAL)
- गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी (NBFC)
- डिजिटल ऋण

बाज़ार रुझान

- **IL&FS डिफॉल्ट** से प्रेरित बाजार सुधार और **COVID-19 महामारी** के कारण थोड़े समय के ठहराव के बाद, **NBFC के लिए बैंक वित्तपोषण** फिर से बढ़ रहा है।
- सुरक्षित उधारी में उल्लेखनीय **गिरावट** और **असुरक्षित उधारी** में मामूली वृद्धि हुई है।
  - यह जोखिमपूर्ण वित्तपोषण के लिए अधिक जोखिम का संकेत देता है।
- **सुरक्षित** और **असुरक्षित** दोनों प्रकार की **बैंक उधारी** में गिरावट आई है, जबकि **असुरक्षित डिबेंचर** में वृद्धि हुई है।
- भंडार और अधिशेष में भी उल्लेखनीय कमी आई है, जो कम वित्तीय बफ़र्स का संकेत देता है।

NBFC बैलेंस शीट पर जोखिम का बढ़ना

- साक्ष्य एक **संकुचनकारी मौद्रिक नीति** झटके के बाद **NBFC बैलेंस शीट के परिसंपत्ति पक्ष** पर जोखिम बढ़ने की ओर इशारा करते हैं।
- परिसंपत्ति पक्ष में कमी मुख्य रूप से **सुरक्षित ऋणों** और **अग्रिमों में कमी** के कारण है, जबकि **असुरक्षित ऋणों** में मामूली वृद्धि देखी गई है।
- **पूंजी बाजार एक्सपोजर** में **वृद्धि उच्च इक्विटी होल्डिंग्स** द्वारा संचालित होती है।
- RBI के आंकड़ों के मुताबिक, **अगस्त 2023** तक **NBFC में बैंक एक्सपोजर 25.8%** बढ़कर **13.83 लाख करोड़ रुपये** तक पहुंच गया है।

NBFC सेक्टर में पिछले आघात

- भारत में एनबीएफसी सेक्टर को पहले बड़ेआघात का सामना करना पड़ा था
  - सितंबर 2018 में IL&FS का पतन
  - जून 2019 में DHFL का पतन
- इनसे क्षेत्र में बाजार के विश्वास पर नकारात्मक असर पड़ा।

नकली/अवैध ऋण देने वाले ऐप्स के बारे में चिंताएँ

- **CAFRAL बाज़ार** में **नकली** और **अवैध ऋण** देने वाले **ऐप्स** की **मौजूदगी के बारे में भी चेतावनी** देता है।
- ये ऐप्स कानूनी प्रतीत हो सकते हैं लेकिन दुर्भावनापूर्ण उद्देश्यों के लिए उपयोगकर्ताओं की जानकारी एकत्र कर सकते हैं।
- **ऑनलाइन ऋण गतिविधियों** से **पारंपरिक बैंकिंग क्षेत्र** में संभावित नुकसान के बारे में चिंताएं हैं।
- **पारंपरिक ऋण** और **ऑनलाइन ऋण क्षेत्रों** के बीच संबंध जितना मजबूत होगा, संभावित **स्पिल-ओवर प्रभाव** उतना ही अधिक होगा।

डिजिटल ऋण का विकास

- समग्र क्रेडिट बाजार में **डिजिटल ऋण** की हिस्सेदारी वर्तमान में छोटी है लेकिन **गैर-रेखीय रूप** से बढ़ रही है।
- यह संभावित स्थिरता **जोखिमों का आकलन** करने की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है जो **डिजिटल उधार बड़ी अर्थव्यवस्था** के लिए उत्पन्न हो सकता है क्योंकि यह लगातार बढ़ रहा है।

सीमांत आबादी पर प्रभाव

- **डिजिटल उधार** अक्सर वंचित और **सीमांत बाजार** क्षेत्रों को लक्षित करता है।
- इस प्रकार, इस क्षेत्र में कोई भी नुकसान इन समूहों के लिए ऋण **उपलब्धता** और **वित्तीय समावेशन** को प्रभावित कर सकता है।

7. आदित्य-L1 ने सौर ज्वाला की तस्वीरे खींची - द हिंदू/इसरो के आदित्य-L1 ने सौर ज्वालाओं का पहला उच्च-ऊर्जा एक्स-रे दृश्य कैप्चर किया - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: विज्ञान और प्रौद्योगिकी में भारतीयों की उपलब्धियाँ; प्रौद्योगिकी का स्वदेशीकरण और नई प्रौद्योगिकी का विकास।

समाचार:

प्रीलिम्स टेकअवे
- आदित्य L1
- सौर ज्वालाएँ

- सूर्य का अध्ययन करने के लिए समर्पित **भारत के पहले अंतरिक्ष मिशन**, **आदित्य-L1** अंतरिक्ष यान ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।
- आदित्य-L1 बोर्ड पर **हाई एनर्जी L1 ऑर्बिटिंग एक्स-रे स्पेक्ट्रोमीटर (HEL1OS)** पेलोड ने **सौर ज्वालाओं** का पहला **उच्च-ऊर्जा एक्स-रे दृश्य कैप्चर** किया है।
- **HEL1OS पेलोड** को बेंगलुरु में **यू आर राव सैटेलाइट सेंटर**, इसरो में **स्पेस एस्ट्रोनॉमी ग्रुप** द्वारा विकसित किया गया था।

HEL1OS पेलोड अवलोकन
- अपने प्रारंभिक अवलोकन के दौरान, **HEL1OS पेलोड** ने **सौर ज्वालाओं** के **आवेगपूर्ण चरण** को रिकॉर्ड किया।
- रिकॉर्ड किया गया डेटा **नेशनल ओशनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन के जियोस्टेशनरी ऑपरेशनल एनवायर्नमेंटल सैटेलाइट्स (NOAA's GOES)** के **एक्स-रे प्रकाश वक्रों** के साथ संरेखित होता है।

उद्देश्य
- **HEL1OS** को सूर्य से **उच्च-ऊर्जा एक्स-रे गतिविधि** की **निगरानी के लिए डिज़ाइन** किया गया है।
- यह **तेज़ टाइमिंग** और **उच्च-रिज़ॉल्यूशन स्पेक्ट्रा** प्रदान करता है।
- यह शोधकर्ताओं को **सौर ज्वालाओं** के **आवेगपूर्ण चरणों** के दौरान **एक्सप्लोसिव ऊर्जा रिलीज** और **इलेक्ट्रॉन त्वरण** का **अध्ययन करने में सक्षम** बनाता है।

सौर ज्वाला
- सनस्पॉट से जुड़ी चुंबकीय ऊर्जा के निकलने से विकिरण का तीव्र विस्फोट होता है।
- इन्हें सूर्य पर चमकीले क्षेत्रों के रूप में देखा जाता है, और ये मिनटों से लेकर घंटों तक रह सकते हैं।
- कुछ ही मिनटों में, वे सामग्री को कई **लाखों डिग्री तक गर्म** कर देते हैं और **विद्युत चुम्बकीय स्पेक्ट्रम** में **विकिरण का विस्फोट** उत्पन्न करते हैं
    - जिसमें रेडियो तरंगों से लेकर **एक्स-रे** और **गामा किरणें** तक शामिल हैं
- हालाँकि **सौर ज्वालाएँ सफेद रोशनी** में दिखाई दे सकती हैं, वे अक्सर अपने **उज्ज्वल एक्स-रे** और **पराबैंगनी उत्सर्जन** के माध्यम से अधिक आसानी से देखी जाती हैं।

पृथ्वी पर सौर ज्वाला का प्रभाव
- यह उपग्रह संचार को प्रभावित कर सकता है, रेडियो सिग्नलों को बाधित कर सकता है और यहां तक कि अंतरिक्ष में अंतरिक्ष यात्रियों के लिए भी खतरा पैदा कर सकता है।
- इससे **भू-चुंबकीय तूफान** आ सकते हैं, जो **बिजली ग्रिडों** को प्रभावित कर सकते हैं और **निचले अक्षांशों** पर **अरोरा पैदा** कर सकते हैं।

एडिटोरियल, जिस्ट, एक्सप्लेनेर

1. अंतरराष्ट्रीय कानून दायित्वों को बाधित करने वाला निर्णय - द हिंदू

प्रासंगिकता: अर्थव्यवस्था

प्रसंग:

- यह **कराधान उपायों में अनिश्चितता** भारत **में विदेशी निवेशकों** के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती है ।
- **असेसिंग ऑफिसर सर्कल (इंटरनेशनल टैक्सेशन)** नई **दिल्ली बनाम नेस्ले** मामले में **सुप्रीम कोर्ट** के हालिया फैसले के **दूरगामी प्रभाव** हैं।
- ऐसा इसलिए है क्योंकि यह **भारत** की **टैक्स संधियों** में **सर्वाधिक पसंदीदा राष्ट्र (MFN) खंड** की व्याख्या को संबोधित करता है।

सर्वाधिक पसंदीदा राष्ट्र (MFN) खंड

- नीदरलैंड, फ्रांस और स्विट्जरलैंड जैसे देशों के साथ भारत के दोहरे कराधान बचाव समझौते (DTAAs) में 10% कर कटौती की आवश्यकता शामिल है।
- इन DTAAs में एक MFN प्रावधान भी शामिल है, जो यह सुनिश्चित करता है कि किसी तीसरे देश "जो OECD का सदस्य है" को दी जाने वाली तरजीही कर व्यवस्था को इन देशों तक बढ़ाया जाना चाहिए।
- सुप्रीम कोर्ट का फैसला इस व्याख्या को खारिज करता है, जिससे विदेशी निवेशकों पर 11,000 करोड़ रुपये का संभावित कर बोझ पड़ेगा।

संधि प्रावधानों को समय पर रोकना

- न्यायालय का यह तर्क कि MFN खंड केवल उन देशों पर लागू होता है जो संधि पर हस्ताक्षर किए जाने के समय OECD सदस्य थे, जो कि त्रुटिपूर्ण है।
- यह इस बात पर विचार नहीं करता है कि DTAA's का पाठ इस प्रतिबंध को निर्दिष्ट नहीं करता है और सत्तारूढ़ घरेलू तकनीकों का उपयोग करके अंतरराष्ट्रीय संधि शर्तों की व्याख्या करता है।
- इस तरह की व्याख्या संधियों में MFN जैसे गैर-भेदभाव मानकों के उद्देश्य का खंडन करती है, जिससे भविष्य के समझौतों से संधि भागीदारों को स्वचालित रूप से लाभ होना चाहिए।

द्वैतवाद का सिद्धांत

- न्यायालय इस बात पर जोर देता है कि डीटीएए में एमएफएन प्रावधान को लागू करने के लिए आयकर अधिनियम की धारा 90(1) के तहत अधिसूचना आवश्यक है।
- यह दृष्टिकोण द्वैतवाद के सिद्धांत को दर्शाता है, जहां अंतरराष्ट्रीय कानून को कानून के माध्यम से घरेलू कानून में परिवर्तित किया जाना चाहिए।
- हालाँकि भारत की कानूनी प्रणाली ने एक अद्वैतवादी परंपरा को अपनाया है, जहाँ अंतर्राष्ट्रीय कानून को घरेलू कानून में शामिल किया जाता है, जब तक कि यह स्पष्ट रूप से घरेलू कानून के साथ टकराव न हो।

प्रगतिशील न्यायिक दृष्टिकोण को उलटना

- न्यायालय का फैसला घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय कानून के बीच अनुकूलता की धारणा की उपेक्षा करता है।
- यह कार्यपालिका को घरेलू स्तर पर आवश्यक अधिसूचनाएँ जारी न करके अंतर्राष्ट्रीय कानून दायित्वों से बचने की अनुमति देता है।
- यह निर्णय अंतरराष्ट्रीय कानून के प्रति भारत के पालन को कमजोर करता है, संभावित रूप से इसे अन्य संधियों के तहत अंतरराष्ट्रीय दावों के लिए उजागर करता है।

2. भारत में उच्च रक्तचाप की व्यापकता - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: स्वास्थ्य, शिक्षा, मानव संसाधन से संबंधित सामाजिक क्षेत्र/सेवाओं के विकास और प्रबंधन से संबंधित मुद्दे।

प्रसंग:

- हाल के **राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण डेटा** से **भारतीय राज्यों** और **जिलों** में **उच्च रक्तचाप** की **व्यापकता, निदान, उपचार** और **नियंत्रण** में महत्वपूर्ण असमानताएं सामने आती हैं।
- शोधकर्ता इन विविधताओं को संबोधित करने के लिए लक्षित, विकेंद्रीकृत समाधानों की आवश्यकता पर जोर देते हैं।

राष्ट्र स्तरीय डेटा

- भारत में उच्च रक्तचाप से पीड़ित तीन में से केवल एक व्यक्ति को ही निदान मिल पाता है।
- निदान किए गए लोगों में, पांच में से केवल एक ही उपचार शुरू करता है।
- बारह में से केवल एक ही अपने रक्तचाप को सफलतापूर्वक नियंत्रित कर पाता है।
- यह देश भर में उच्च रक्तचाप देखभाल में बड़े अंतर को उजागर करता है।

अंतरराज्यीय परिवर्तनशीलता

- राष्ट्रीय औसत (26.8%) की तुलना में दक्षिणी राज्यों में उच्च रक्तचाप (29.9%) का प्रसार अधिक है।
- हालाँकि, दक्षिणी राज्यों में व्यक्तियों का एक बड़ा हिस्सा उपचार प्राप्त करता है और रक्तचाप नियंत्रण प्राप्त करता है।

अंतर-जिला परिवर्तनशीलता

- भिन्नताएँ न केवल राज्यों के बीच, बल्कि उनके भीतर भी विद्यमान हैं।
- मेघालय और कर्नाटक के उदाहरण जिलों के भीतर प्रसार, निदान और उपचार में अंतर को उजागर करते हैं।

आयु, लैंगिकता और शिक्षा का प्रभाव

- महिलाओं में निदान होने और उपचार प्राप्त करने की संभावना अधिक होती है और उनका रक्तचाप नियंत्रित होता है।
- 65 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों में निदान, उपचार और नियंत्रण की उच्च दर दिखाई देती है।
- सामाजिक आर्थिक स्थितियाँ और शिक्षा स्तर उच्च रक्तचाप की देखभाल पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालते हैं, सबसे धनी और बेहतर शिक्षित व्यक्ति बेहतर परिणाम दिखाते हैं।

अंतर-राज्य और अंतर-जिला परिवर्तनशीलता का महत्व

- जिला स्तर का डेटा राज्य सरकारों को संसाधनों को अधिक प्रभावी ढंग से आवंटित करने में मार्गदर्शन कर सकता है।
- उच्च रक्तचाप जैसी पुरानी स्थितियों के लिए योजना देखभाल की निरंतरता पर ध्यान देने के साथ तीव्र बीमारियों से अलग होनी चाहिए।

भारत में उच्च रक्तचाप को संबोधित करना

- WHO की एक हालिया रिपोर्ट इस बात पर प्रकाश डालती है कि उच्च रक्तचाप से ग्रस्त केवल आधे व्यक्तियों में रक्तचाप को नियंत्रित करने से वर्ष 2040 तक भारत में 4.6 मिलियन मौतों को रोका जा सकता है।
- सरकार ने वर्ष 2025 तक उच्च रक्तचाप या मधुमेह से पीड़ित 75 मिलियन लोगों के इलाज के लिए एक कार्यक्रम शुरू किया है।
- उच्च रक्तचाप से निपटने के लिए न केवल बुनियादी ढांचे में वृद्धि की आवश्यकता है बल्कि सक्रिय जांच, सुलभ उपचार और अनुवर्ती देखभाल की भी आवश्यकता है।

3. 'सप्ताह में 70 घंटे' की कार्य अवधि से सम्बंधित समस्या - द हिंदू

प्रासंगिकता: औद्योगिक नीति में परिवर्तन और औद्योगिक विकास पर उनका प्रभाव।

प्रसंग:

- **इंफोसिस के सह-संस्थापक** ने हाल ही में **युवाओं को** सप्ताह में **70 घंटे कार्य** करने के लिए प्रोत्साहित किया।
- इस कथन पर इस आधार पर सवाल उठाया जा रहा है कि यह **पुण्य उन्मुख** से अधिक **लाभ उन्मुख** है।

70 घंटे की कार्य अवधि पर सवाल

- सबसे पहले, यह तथ्यात्मक रूप से गलत बयान कि **कार्य अवधि** बढ़ाने से **जर्मनी** और **जापान** जैसे उन्नत देशों को सफल होने में मदद मिली।
- दूसरे, उन्होंने नवाचार में निवेश किए बिना, **उत्पादकता बढ़ाने का बोझ श्रमिकों** के **कंधों** पर डाल दिया।
- तीसरा, श्री नारायण मूर्ति का **70 घंटे का सप्ताह** का प्रस्ताव **अंतर्राष्ट्रीय श्रम मानकों (ILS), अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO)** के **सभ्य कार्य एजेंडे** और इसके **मौलिक सम्मेलनों** का उल्लंघन करता है।
  - यह सुनिश्चित करने के लिए कि **महिलाओं और पुरुषों** को **सभ्य और उत्पादक** कार्य मिले, कार्य के लिए समय तय किया गया।

विकसित देशों में कार्य की समयावधि

- उन्नत देशों में पिछले **150 वर्षों** के दौरान **प्रति कर्मचारी कार्य की समयावधि** में लगातार गिरावट देखी गई है।
- **जर्मनी ने** वर्ष 2017 में प्रति **सप्ताह 28 घंटे** से भी **कम कार्य** किया है।
- **जापान** में वर्ष 2017 में यह घटकर **35 घंटे** से भी **कम रह** गई थी।
- अधिक उत्पादक अर्थव्यवस्थाओं में, श्रमिक कम कार्य करते हैं, जबकि कम उत्पादक गरीब अर्थव्यवस्थाओं में, श्रमिकों को कम उत्पादकता की भरपाई के लिए अधिक कार्य करना पड़ता है।

कार्य अवधि पर अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन का रुख

- ILO ने अपनी रिपोर्ट **वर्किंग टाइम एंड वर्क लाइफ बैलेंस अराउंड द वर्ल्ड** में कहा है
  - कार्य कि समय अवधि और कार्य और आराम की अवधि का संगठन श्रमिकों के **शारीरिक** और **मानसिक स्वास्थ्य** और **कल्याण** पर गहरा प्रभाव डाल सकता है

- **कार्य समय के मुद्दों पर निर्णयों का** अर्थव्यवस्था के व्यापक स्वास्थ्य पर भी प्रभाव पड़ सकता है
- अत्यधिक कार्य के कारण जल्दी **शारीरिक** और **मानसिक** कार्य करना पड़ सकता है।
- ILO का कन्वेंशन नंबर 1, **कार्य अवधि** (उद्योग) कन्वेंशन, 1919, जिसने आठ घंटे के औसत कार्य दिवस को बेंचमार्क किया था।

कार्य अवधि पर नीति आयोग की राय

- नीति आयोग ने इनोवेशन इंडेक्स **वर्ष 2021** में इस मुद्दे पर कुछ तथ्यात्मक जानकारी जारी की है.
- इस रिपोर्ट से पता चला कि **वर्ष 2018** में
  - **अनुसंधान और विकास पर** भारत का सकल व्यय (GERD) 0.65% था, जो दुनिया में सबसे कम में से एक है।
  - विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (DST) के अनुसार, वर्ष 2020-21 में यह आंकड़ा और गिरकर 0.64% हो गया।

श्रमिकों के अनुसंधान एवं विकास में निजी क्षेत्र की भागीदारी

- **अनुसंधान एवं विकास खर्च** में निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी **वर्ष 2020-21** में 41% थी, जो **वर्ष 2012-13** में **45%** से कम है।
- इस संबंध में निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी **जापान और कोरिया** में 79%, **संयुक्त राज्य अमेरिका** में 75% और **जर्मनी और यूके** में 67% थी ।

श्रम मानकों पर यूरोपीय संघ का रुख

- यूरोपीय संघ ने **वर्ष 2022** में व्यापार और सतत विकास पर **एक अध्याय** शामिल किया जो ऐसा कहता है-
  - इस द्विपक्षीय FTA के सदस्यों के रूप में, भारत और यूरोपीय संघ अन्य बातों के साथ-साथ सभी के लिए सभ्य कार्य काजी परिस्थितियों को बढ़ावा देंगे।
    - वेतन और कमाई
    - कार्य अवधि
    - कार्य की अन्य स्थितियाँ और सामाजिक सुरक्षा।
- यूरोपीय संघ के सदस्य-राज्यों ने आपूर्ति श्रृंखलाओं पर **"आपूर्ति श्रृंखला उचित परिश्रम"** नियम लागू किए हैं, जो कंपनियों को उनके प्रतिकूल प्रभाव को संबोधित करने के लिए **उचित परिश्रम प्रक्रियाओं** को लागू करने के लिए बाध्य करते हैं।
  - दास प्रथा,
  - बाल श्रम,
  - श्रम शोषण
  - पर्यावरणीय गिरावट

श्रम मानकों पर अन्य अंतर्राष्ट्रीय प्रयास

- **इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क फॉर प्रॉस्पेरिटी (IPEF)** के कार्यान्वयन के लिए केंद्रीय हैं ।
- **कार्य अवधि** के संबंध में श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए **कॉर्पोरेट सतर्कता कर्तव्य कानून, वर्ष 2017** को लागू करके मार्ग प्रशस्त किया ।
- जर्मनी ने सप्लाई चेन ड्यू डिलिजेंस एक्ट, 2022 लागू किया, जिससे 3,000 या अधिक कर्मचारियों वाली जर्मन कंपनियों के लिए जबरन श्रम सहित मानवाधिकारों के उल्लंघन की निगरानी करना और कार्रवाई करना अनिवार्य हो गया।

फैक्ट फटाफट

1. ग्रीन क्रैकर (ग्रीन पटाखे)

- इन्हें 'पर्यावरण-अनुकूल' पटाखे कहा जाता है और ये पारंपरिक पटाखों की तुलना में कम वायु और ध्वनि प्रदूषण पैदा करने के लिए जाने जाते हैं।
- इन पटाखों को पहली बार वर्ष 2018 में वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (CSIR) के तत्वावधान में राष्ट्रीय पर्यावरण और इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान (NEERI) द्वारा डिजाइन किया गया था।
- ये पटाखे शोर की तीव्रता और उत्सर्जन को कम करने के उद्देश्य से पारंपरिक पटाखों में कुछ खतरनाक एजेंटों को कम प्रदूषणकारी पदार्थों से बदल देते हैं।
- अधिकांश हरे पटाखों में बेरियम नाइट्रेट नहीं होता है, जो पारंपरिक पटाखों में सबसे खतरनाक घटक है।
- नियमित पटाखों से भी 160-200 डेसिबल ध्वनि उत्पन्न होती है, जबकि हरे पटाखों से ध्वनि लगभग 100-130 डेसिबल तक सीमित होती है।
- वर्तमान में, ग्रीन पटाखों के तीन ब्रांड खरीद के लिए उपलब्ध हैं
  - SWAS - सुरक्षित जल रिलीजर
  - STAR - सुरक्षित थर्माइट क्रैकर
  - SAFAL - सुरक्षित न्यूनतम एल्यूमिनियम
- ग्रीन पटाखों के सभी तीन ब्रांड वर्तमान में केवल CSIR द्वारा अनुमोदित लाइसेंस प्राप्त निर्माताओं द्वारा ही उत्पादित किए जा सकते हैं।
- पेट्रोलियम और विस्फोटक सुरक्षा संगठन (PESO) को यह प्रमाणित करने का कार्य सौंपा गया है कि पटाखे आर्सेनिक, पारा और बेरियम के बिना बनाए गए हैं, और एक निश्चित सीमा से अधिक तेज़ नहीं हैं।
- इसके अलावा, हरे पटाखों को क्विक रिस्पांस (QR) कोडिंग प्रणाली के साथ-साथ उनके बक्सों पर मुद्रित हरे लोगो द्वारा अलग किया जा सकता है।

2. जीका वायरस

- जीका वायरस एक मच्छर जनित फ्लेविवायरस है जिसे पहली बार वर्ष 1947 में युगांडा में बंदरों में पहचाना गया था।
- बाद में इसे वर्ष 1952 में युगांडा और संयुक्त गणराज्य तंजानिया में मनुष्यों में पहचाना गया।
- **ट्रांसमिशन**
  - मुख्य रूप से एडीज मच्छरों (AM) द्वारा, मुख्य रूप से एडीज एजिप्टी द्वारा।
  - यह गर्भावस्था के दौरान यौन संपर्क, रक्त और रक्त उत्पादों के आधान और अंग प्रत्यारोपण के माध्यम से मां से भ्रूण तक भी फैलता है।
- **लक्षण**
  - आम तौर पर हल्के और इसमें बुखार, दाने, नेत्रश्लेष्मलाशोथ, मांसपेशियों और जोड़ों में दर्द, अस्वस्थता या सिरदर्द शामिल हैं।
  - जीका वायरस संक्रमण वाले अधिकांश लोगों में लक्षण विकसित नहीं होते हैं।
  - गर्भावस्था के दौरान जीका वायरस के संक्रमण के कारण शिशु माइक्रोसेफली (सामान्य सिर के आकार से छोटा) और अन्य जन्मजात विकृतियों के साथ पैदा हो सकते हैं, जिन्हें जन्मजात जीका सिंड्रोम कहा जाता है।
- **इलाज**
  - जीका के लिए कोई टीका या दवा नहीं है।
  - इसके बजाय, फोकस लक्षणों से राहत देने पर है और इसमें बुखार और दर्द के लिए आराम, पुनर्जलीकरण और एसिटामिनोफेन शामिल है।

3. मिग-21 विमान

- मिग-21 लंबे समय तक भारतीय वायुसेना की रीढ़ रहे हैं।
- ये सिंगल इंजन, सिंगल-सीटर मल्टी-रोल फाइटर/ग्राउंड अटैक एयरक्राफ्ट हैं।
- प्रमुख भूमिका
  - वर्ष 1971 के बांग्लादेश मुक्ति युद्ध में, मिग-21 (प्रकार - 77 संस्करण) ने युद्ध के परिणाम को भारत के पक्ष में करने में प्रमुख भूमिका निभाई थी।
  - यह वर्ष 1965 के युद्ध और वर्ष 1999 में पाकिस्तान के साथ कारगिल संघर्ष में भी भारतीय वायुसेना के मुख्य आधारों में से एक था।

4. चेतक

- हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने 1962 में अलौटे III हेलीकॉप्टर (चेतक) के उत्पादन के लिए फ्रांस के साथ एक समझौता करके हेलीकॉप्टरों का निर्माण शुरू किया।
- 'फ्लाई अवे' स्थिति में पहला चेतक वर्ष 1965 में वितरित किया गया था।
- सात सीटों वाला चेतक हेलीकॉप्टर बहुमुखी, बहुउद्देश्यीय, बहुउद्देश्यीय और विशाल है।
- हेलीकॉप्टर आवागमन, कार्गो/सामग्री परिवहन, हताहत निकासी, खोज एवं बचाव (SAR), हवाई सर्वेक्षण और गश्त, आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं, ऑफ-शोर संचालन और अंडर स्लंग ऑपरेशन के लिए उपयुक्त है।
- आज तक, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने 350 से अधिक ऐसे बहुमुखी हेलीकॉप्टरों का उत्पादन और बिक्री की है जो भारत और विदेश दोनों में सेवा में हैं।

Mentorship India

प्रीलिम्स ट्रैक

Q1. निम्नलिखित में से कौन सी घटना 'मध्य पूर्व में शांति की रूपरेखा' के रूप में जानी जाती है?

A. कैम्प डेविड समझौते
B. अब्राहम समझौते
C. ओस्लो समझौता
D. बाल्फोर घोषणा

Q2. शीत युद्ध के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. यह संयुक्त राज्य अमेरिका और सोवियत संघ और उनके संबंधित सहयोगियों के बीच भूराजनीतिक तनाव का दौर था
2. यह द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति के तुरंत बाद शुरू हुआ और 1991 में सोवियत संघ के पतन के साथ समाप्त हुआ।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न 1 न 2

Q3. प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. इस पहल का लक्ष्य 2030 तक टीबी उन्मूलन है।
2. यह कार्यक्रम कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) गतिविधियों के अंतर्गत शामिल है।
3. नि-क्षय मित्र पहल इसी कार्यक्रम का एक हिस्सा है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. केवल तीन
D. सभी चारों

Q4. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. गहन संश्लेषण आभासी दृश्य बनाने के लिए पाठ, चित्र, ऑडियो और वीडियो उत्पन्न करने के लिए संवर्धित वास्तविकता का उपयोग करता है।
2. इसका उपयोग फर्जी खबरें उत्पन्न करने और अन्य गलत कामों के बीच वित्तीय धोखाधड़ी करने के लिए किया जाता है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से गलत हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न 1 न 2

Q5. कृषि रसायनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा/से कथन सही हैं?

1. एग्रोकेमिकल्स में उर्वरक, कीटनाशक और शाकनाशी सहित कृषि में उपयोग किए जाने वाले रासायनिक उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है।
2. कृषि रसायनों का उपयोग विशेष रूप से फसल सुरक्षा के लिए किया जाता है, फसल उत्पादकता बढ़ाने में उनकी कोई भूमिका नहीं होती है।
3. कृषि रसायनों का उपयोग पर्यावरण के लिए हमेशा फायदेमंद होता है और इससे पारिस्थितिकी तंत्र को कोई खतरा नहीं होता है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीनों
D. कोई नहीं

Q6. गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (NBFCs) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. इन्हें भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) द्वारा विनियमित किया जाता है।
2. वे मांग जमा स्वीकार नहीं कर सकते.
3. वे स्वयं आहरित चेक जारी कर सकते हैं।
4. बैंकों के समान, NBFC भी कड़े और पर्याप्त नियमों के अधीन हैं।

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. केवल तीन
D. सभी चारों

Q7. सोलर फ्लेयर्स के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. यह सूर्य के धब्बों से जुड़ी चुंबकीय ऊर्जा के निकलने से निकलने वाले विकिरण का तीव्र विस्फोट है।

2. वे सफेद रोशनी में दिखाई नहीं देते।
3. वे केवल रेडियो तरंगों के रूप में विकिरण के विस्फोट उत्पन्न करते हैं।
4. यह उपग्रह संचार को प्रभावित कर सकता है और भू-चुंबकीय तूफानों का भी कारण बन सकता है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. केवल तीन
D. सभी चारों

Q8. भारत सरकार द्वारा लगाए गए समानीकरण लेवी का प्राथमिक उद्देश्य क्या है?

A. जनता के बीच डिजिटल वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देना।
B. भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को प्रोत्साहित करना।
C. ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल बुनियादी ढांचे के विकास का समर्थन करना।
D. यह सुनिश्चित करना कि विदेशी बहुराष्ट्रीय निगम भारत से उत्पन्न आय पर करों का उचित हिस्सा अदा करें।

Q9. उच्च रक्तचाप के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. माना जाता है कि आनुवंशिकी उच्च रक्तचाप में भूमिका निभाती है।
2. भारत का लक्ष्य 2025 तक उच्च रक्तचाप या मधुमेह से पीड़ित 75 मिलियन रोगियों को मानक देखभाल पर रखना है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न 1 न 2

Q10. प्रधान मंत्री श्रम योगी मान-धन (PM-SYM) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. असंगठित श्रमिक, जिनकी मासिक आय 15,000 रुपये प्रति माह या उससे कम है, इस योजना के लिए पात्र हैं।
2. ग्राहक की आयु 18-40 वर्ष है।
3. योजना के तहत न्यूनतम 5000 रुपये प्रति माह की सुनिश्चित पेंशन प्रदान की गई है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीनों
D. कोई नहीं

प्रीलिम्स ट्रैक उत्तर

उत्तर:1 विकल्प A सही है

व्याख्या

- कैंप डेविड समझौते, इज़राइल और मिस्र के बीच 17 सितंबर, 1978 को हस्ताक्षरित समझौते।
- इसके बाद अगले वर्ष उन दोनों देशों के बीच एक शांति संधि हुई, जो इज़राइल और उसके किसी भी अरब पड़ोसी के बीच पहली ऐसी संधि थी।
- यह संधि अमेरिकी राष्ट्रपति जिमी कार्टर (यह लेखक) द्वारा इजरायली प्रधान मंत्री मेनकेम बेगिन और मिस्र के राष्ट्रपति अनवर सादात के बीच की गई थी और इसे आधिकारिक तौर पर "मध्य पूर्व में शांति के लिए रूपरेखा" शीर्षक दिया गया था। **इसलिए विकल्प A सही उत्तर है।**
- इन अनुयायियों को शिविर डेविड एकांत के रूप में जाना जाने लगा क्योंकि यह बातचीत शिविर डेविड में अमेरिकी राष्ट्रपति के सम्मान में हुई थी, उनके योगदान के लिए मैरीलैंड सादात और बेगिन को 1978 में शांति के लिए नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

उत्तर:2 विकल्प C सही है

व्याख्या

- यह संयुक्त राज्य अमेरिका और सोवियत संघ और उनके संबंधित सहयोगियों, पश्चिमी ब्लॉक और पूर्वी ब्लॉक के बीच भूराजनीतिक तनाव का दौर था। **इसलिए, कथन 1 सही है।**
- दोनों महाशक्तियों के बीच सीधे तौर पर कोई बड़े पैमाने पर लड़ाई नहीं हुई, लेकिन उनमें से प्रत्येक ने प्रमुख क्षेत्रीय संघर्षों में विरोधी पक्षों का समर्थन किया, जिन्हें छद्म युद्ध के रूप में जाना जाता है।
- यह संघर्ष द्वितीय विश्व युद्ध के सहयोगियों के रूप में उनकी भूमिकाओं के बाद, इन दो महाशक्तियों द्वारा वैश्विक प्रभाव के लिए वैचारिक और भू-राजनीतिक संघर्ष पर आधारित था।
- शीत युद्ध द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति के तुरंत बाद शुरू हुआ, चीन-सोवियत विभाजन के साथ धीरे-धीरे समाप्त होना शुरू हुआ और 1991 में सोवियत संघ के पतन के साथ समाप्त हुआ। इसलिए, कथन 2 **सही है।**

उत्तर:3 विकल्प B सही है

व्याख्या

- यह स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (MOHFW) की एक पहल है।
- इसका लक्ष्य 2025 तक टीबी उन्मूलन का है। **इसलिए, कथन 1 गलत है।**
- यह सामुदायिक भागीदारी का भी प्रावधान करता है।
- यह कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) गतिविधियों के अंतर्गत आता है। **इसलिए, कथन 2 सही है।**
- नि-क्षय मित्र पहल इसी कार्यक्रम का एक हिस्सा है।
  - यह पहल टीबी का इलाज करा रहे लोगों के लिए अतिरिक्त निदान, पोषण और व्यावसायिक सहायता सुनिश्चित करना है। **अतः, कथन 3 सही है।**

उत्तर:4 विकल्प D सही है

व्याख्या

- डीपफेक तकनीक शक्तिशाली कंप्यूटर और डीप लर्निंग का उपयोग करके वीडियो, छवियों और ऑडियो में हेरफेर करने की एक विधि है डीप लर्निंग डीप सिंथेसिस का एक हिस्सा है।
- गहन संश्लेषण को आभासी दृश्य बनाने के लिए पाठ, चित्र, ऑडियो और वीडियो उत्पन्न करने के लिए गहन शिक्षण और संवर्धित वास्तविकता सहित प्रौद्योगिकियों के उपयोग के रूप में परिभाषित किया गया है।
- इसका उपयोग फर्जी खबरें उत्पन्न करने और अन्य गलत कामों के बीच वित्तीय धोखाधड़ी करने के लिए किया जाता है।

उत्तर:5 विकल्प A सही है

व्याख्या

- एग्रोकेमिकल्स में कृषि में उपयोग किए जाने वाले रासायनिक उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है, इनमें उर्वरक (मिट्टी में पोषक तत्व बढ़ाने के लिए), कीटनाशक (कीट नियंत्रण के लिए), शाकनाशी (खरपतवार नियंत्रण के लिए), और विकास नियामक (फसल विकास को बढ़ावा देने के लिए) शामिल हैं। **इसलिए, कथन 1 सही है**
- कृषि रसायनों का उपयोग विशेष रूप से फसल सुरक्षा के लिए नहीं किया जाता है, जबकि वे फसलों

की सुरक्षा के लिए कीटों, बीमारियों और खरपतवारों को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, उनमें उर्वरक भी शामिल होते हैं जो पौधों को आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करके फसल उत्पादकता बढ़ाते हैं। **इसलिए, कथन 2 गलत है**

- कृषि रसायनों का उपयोग हमेशा पर्यावरण के लिए फायदेमंद नहीं होता है, और यह पारिस्थितिक तंत्र के लिए जोखिम पैदा कर सकता है। उदाहरण के लिए कीटनाशक गैर-लक्ष्य प्रजातियों को नुकसान पहुंचा सकते हैं, जल स्रोतों को दूषित कर सकते हैं और कीटनाशक प्रतिरोधी कीटों के विकास में योगदान कर सकते हैं। उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग से पोषक तत्वों का अपवाह हो सकता है, जिससे जल प्रदूषण हो सकता है।**इसलिए, कथन 3 गलत है**

उत्तर:6 विकल्प B सही है

व्याख्या

- NBFC कंपनी अधिनियम 1956 के तहत पंजीकृत एक कंपनी है जो ऋण और अग्रिम, सरकार या स्थानीय प्राधिकरण द्वारा जारी शेयरों/स्टॉक/बॉन्ड/डिबेंचर/प्रतिभूतियों के अधिग्रहण या समान प्रकृति की अन्य विपणन योग्य प्रतिभूतियों के व्यवसाय में लगी हुई है।
- ये ऋण, क्रेडिट सुविधाएं, टीएफसी, सेवानिवृत्ति योजना, निवेश और मुद्रा बाजार में स्टॉकिंग जैसी बैंकिंग सेवाएं प्रदान करते हैं।
- NBFC चिट-रिजर्व और अग्रिम जैसी व्यापक मौद्रिक सलाह भी प्रदान करते हैं।
- NBFC को भारत के केंद्रीय बैंक भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा विनियमित किया जाता है। **अतः, कथन 1 सही है।**
- आम तौर पर, इन संस्थानों को जनता से पारंपरिक मांग जमा लेने की अनुमति नहीं है।
- NBFC डिमांड डिपॉजिट स्वीकार नहीं कर सकता। **अतः, कथन 2 सही है।**
- NBFC भुगतान और निपटान प्रणाली का हिस्सा नहीं बनते हैं और स्वयं आहरित चेक जारी नहीं कर सकते हैं। **इसलिए, कथन 3 गलत है।**
- बैंकों के विपरीत, जमा बीमा और क्रेडिट गारंटी निगम की जमा बीमा सुविधा NBFC के जमाकर्ताओं के लिए उपलब्ध नहीं है।
- बैंकों के विपरीत, NBFC पर कड़े और पर्याप्त नियमों का पालन नहीं किया जाता है। **इसलिए, कथन 4 गलत है।**

उत्तर:7 विकल्प B सही है

व्याख्या

- सोलर फ्लेयर सनस्पॉट से जुड़ी चुंबकीय ऊर्जा की रिहाई से आने वाले विकिरण का एक तीव्र विस्फोट है। **अतः, कथन 1 सही है।**
- इन्हें सूर्य पर चमकीले क्षेत्रों के रूप में देखा जाता है, और ये मिनटों से लेकर घंटों तक रह सकते हैं।
- कुछ ही मिनटों में, वे सामग्री को कई लाखों डिग्री तक गर्म कर देते हैं।
- वे रेडियो तरंगों से लेकर एक्स-रे और गामा किरणों सहित विद्युत चुम्बकीय स्पेक्ट्रम में विकिरण का विस्फोट उत्पन्न करते हैं। **इसलिए, कथन 3 गलत है।**
- हालाँकि सौर ज्वालाएँ सफेद रोशनी में दिखाई दे सकती हैं, वे अक्सर अपने उज्ज्वल एक्स-रे और पराबैंगनी उत्सर्जन के माध्यम से अधिक आसानी से देखी जाती हैं। **इसलिए, कथन 2 गलत है।**
- यह उपग्रह संचार को प्रभावित कर सकता है, रेडियो सिग्नलों को बाधित कर सकता है और यहां तक कि अंतरिक्ष में अंतरिक्ष यात्रियों के लिए भी खतरा पैदा कर सकता है।
- इससे भू-चुंबकीय तूफान आ सकते हैं, जो बिजली ग्रिडों को प्रभावित कर सकते हैं और निचले अक्षांशों पर अरोरा पैदा कर सकते हैं। **अतः, कथन 4 सही है।**

उत्तर:8 विकल्प D सही है.

व्याख्या

- डिजिटल विज्ञापन सेवाओं के लिए कर भुगतान के लिए समकारी लेवी की शुरुआत की गई थी जो देश में स्थायी स्थापना के बिना अनिवासी कंपनियों द्वारा प्राप्त की जाती थी।
- इसे उन निवासी बाजारों या प्रदाताओं के लिए समान अवसर प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया था जो भारतीय आयकर के अधीन हैं। **अतः, विकल्प D सही है।**
- भारत ने पहली बार 2016 में एक समकारी लेवी की शुरुआत की थी, जब इसने ऑनलाइन विज्ञापन सेवाओं के लिए 6 प्रतिशत का शुल्क लिया था, जो

गैर-निवासियों द्वारा व्यवसाय करने वाले भारतीय निवासी से अर्जित किया गया था।

- 2020 के बजट ने कुछ लेनदेन से ई-कॉमर्स ऑपरेटर द्वारा प्राप्त/प्राप्य प्रतिफल पर 2% की नई इक्वलाइज़ेशन लेवी की शुरुआत करके इक्वलाइज़ेशन लेवी के दायरे को काफी हद तक बढ़ा दिया है।

उत्तर:9 विकल्प C सही है

व्याख्या

- उच्च रक्तचाप (उच्च रक्तचाप) तब होता है जब आपकी रक्त वाहिकाओं में दबाव बहुत अधिक (140/90 mmHg या अधिक) होता है।
- उच्च नमक वाले आहार, शारीरिक गतिविधि की कमी और अत्यधिक शराब का सेवन उच्च रक्तचाप के लिए महत्वपूर्ण योगदानकर्ता हैं।
- माना जाता है कि आनुवंशिकी भी उच्च रक्तचाप में भूमिका निभाती है। **अतः, कथन 1 सही है।**
- उच्च रक्तचाप से पीड़ित अधिकांश लोगों को कोई लक्षण महसूस नहीं होता है।
- बहुत उच्च रक्तचाप के कारण सिरदर्द, धुंधली दृष्टि, सीने में दर्द और अन्य लक्षण हो सकते हैं।
- उपचार: जीवनशैली में बदलाव जैसे कम नमक वाला आहार अपनाना, वजन कम करना, शारीरिक गतिविधि और तंबाकू आदि और दवाएँ छोड़ना।
- भारत का लक्ष्य 2025 तक उच्च रक्तचाप या मधुमेह से पीड़ित 75 मिलियन रोगियों को मानक देखभाल पर रखना है। **इसलिए, कथन 2 सही है।**

उत्तर:10 विकल्प B सही है

व्याख्या

- असंगठित श्रमिक (घर आधारित श्रमिक, रेहड़ी-पटरी वाले, मध्याह्न भोजन श्रमिक, हेड लोडर, भूमिहीन मजदूर और इसी तरह के अन्य व्यवसाय) जिनकी मासिक आय 15,000 रुपये प्रति माह या उससे कम है, वे इस योजना के लिए पात्र हैं। **इसलिए, कथन 1 सही है।**
- अभिदाता को 18-40 वर्ष के प्रवेश आयु वर्ग से संबंधित होना चाहिए। **इसलिए, कथन 2 सही है।**
- ग्राहक के पास मोबाइल फोन, बचत बैंक खाता और आधार नंबर होना जरूरी होगा.
- उन्हें नई पेंशन योजना (NPS), कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ESIC) योजना या कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (EPFO) के तहत कवर नहीं किया जाना चाहिए।
- प्रत्येक ग्राहक को 60 वर्ष की आयु प्राप्त करने के बाद प्रति माह न्यूनतम 3000/- रुपये की सुनिश्चित पेंशन प्राप्त होगी। **इसलिए, कथन 3 गलत है।**

Mentorship India

Azadi Ka Amrit Mahotsav

स्वच्छ भारत

Mentorship India

Our mission is crystal clear – to provide the finest UPSC mentorship and guidance available in India. We recognize that the path to success in the UPSC examination is both demanding and multifaceted. This is precisely why we have developed a comprehensive approach that goes beyond conventional coaching. Our commitment lies in fostering excellence by equipping aspirants with the necessary tools, knowledge, and unwavering support to not only excel in the examination but also in life itself.

Mentorship India represents more than just an organization; it is a community of ambitious individuals bound together by the shared objective of conquering the UPSC examination. We warmly invite you to embark on this transformative journey alongside us. Whether you are a novice taking your initial steps or a seasoned aspirant aiming for the pinnacle, Mentorship India is your dependable companion in the relentless pursuit of excellence.

+91 9999 057869
www.mentorshipindia.com

A-92, Third Floor, Hari Nagar
Delhi - 110064

@mentorship.india

Skill India कौशल भारत-कुशल भारत

Digital India Power To Empower

G20 भारत 2023 INDIA

MAKE IN INDIA